vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 16 vad % 14 y[kuÅ] lkeokj 14 tqykbZ 2025 l 20 tqykbZ 2025 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

पीएम ने युवाओं को दिए जॉब लेटर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ५१ हजार युवाओं को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिए। शनिवार को सरकार की ओर से १६वें रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। इसमें प्रधानमंत्री वीडियो क न्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। युवाओं को जॉब लेटर दिए जाने के बाद प्रध ाानमंत्री ने कहा कि युवाओं का सामर्थ्य भारत के भविष्य के लिए सबसे बड़ी पूंजी और गारंटी है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस पूंजी को समृद्धि का सूत्र बनाने में जुटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'दो दिन पहले ही पांच देशों की यात्रा से लौटा हूं। हर देश में भारत की युवा शक्ति की गूंज सुनाई दी। इस दौरान जो भी समझौते हुए हैं, उनसे युवाओं को फायदा होना ही है'। मोदी ने नौकरी पाने वाले युवाओं से कहा, 'आपके विभाग अलग हैं लेकिन ध्येय एक है। कार्य कोई भी हो,

पद कोई भी हो इलाका कोई भी है, एक ही ध्येय राष्ट्र सेवा। एक ही सूत्र नागरिक सेवा। आपकी इस नई यात्रा के लिए बहुत शुभकामनाएं'। सोलहवें रोजगार मेले का आयोजन देश भर में ४७ जगहों पर किया गया। पिछला रोजगार मेला २६ अप्रैल को आयोजित किया गया था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने २२ अक्टूबर २०२२ को रोजगार मेले का पहला चरण शुरू किया था। रोजगार मेले के जरिए अब तक ६.७३ लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है। १६वें मेले में प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हमारा देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोन मी बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ये हमारे देश के नौजवानों का कमाल है। मुझे खुशी होती है कि मेरे देश का नौजवान तेज गति से आगे बढ़ रहा है'। उन्होंने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गति देने के लिए मिशन मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा की गई है'।

रविवार को सिंगापुर, चीन की यात्रा पर रवाना होंगे जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को सिंगापुर और

चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार जयशंकर चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर २०२० में सैन्य गतिरोध के कारण दोनों देशों के संबंधों में तनाव आने के बाद यह जयशंकर की पहली चीन यात्रा होगी। मंत्रालय के अनुसार सिंगापुर में जयशंकर अपने समकक्ष और अन्य नेताओं से मिलेंगे।

प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

मिर्जापुर। जिले के जिगना थाना क्षेत्र में ट्रेन के सामने कूदकर एक युवक–युवती ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि को गांव चडेरू चौकठा के पास की है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ओपी सिंह ने मामले की प्रारंभिक छानबीन में मिली जानकारी के हवाले से बताया कि प्रेमी युगल विवाह करना चाहते थे, लेकिन परिजन उसका विरोध कर रहे थे इसलिए दोनों ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। शवों का पोस्टमार्टम शनिवार देर शाम किया गया। उन्होंने बताया कि प्रेमी जोड़े की पहचान प्रयागराज जिले के महेवा निवासी शिवम सोनकर (२१) और उसी जिले के चकडीहा की निवासी अंजली धरिकार (२०) के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवारवालों को सौंप दिए गए हैं।

लखनऊ में नई ब्रह्मोस परीक्षण सुविधा भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगीः राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की नवनिर्मित एकीकरण और परीक्षण सुविधा रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। सिंह ने यह बात लखनऊ में एक कार्यक्रम में कही जहां उन्होंने नेशनल पीजी क लेज में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की प्रतिमा का अनावरण किया और एक डाक टिकट जारी किया। सिंह ने कहा, ष्कुछ दिन पहले ही, मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा रक्षा क्षेत्र में हमारे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। इससे रोजगार भी पैदा होगा।' उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की सराहना की जिसके कारण राज्य में निवेश बढ़ रहा है और उद्योग फल–फूल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, ष्बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डा, मेट्रो, मेडिकल क लेज... ये सभी विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं।ष लखनऊ से लोकसभा सदस्य सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की भी प्रशंसा की। गुप्त तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। सिंह ने कहा, ष्चंद्रभानु गुप्त जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और अपने त्याग, प्रतिबद्धता और नेतृत्व से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई। चंद्रभानु गुप्त का जीवन हमें बताता है कि सत्ता का मतलब केवल पद या अधि ाकार नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी, त्याग

और जनता के हितों की रक्षा करना है।' उन्होंने कहा, ष्उनका जीवन हमें यह संदेश भी देता है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दुश्मनी नहीं होनी चाहिए।' सिंह ने यह भी कहा कि गुप्त एक नेता से ज्यादा एक जनसेवक थे। उन्होंने कहा, "जब हम उत्तर प्रदेश के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हैं तो स्वाभाविक रूप से चंद्रभानु गुप्त जी का नाम सामने आता है।" सिंह ने गुप्त के संघर्षों की चर्चा करते हुए कहा कि देश के आजाद होने के बाद जब संविधान लागू हुआ और आधुनिक लोकतंत्र की नींव पड़ी, तब देश कई बड़ी–बड़ी समस्याओं से जूझ रहा था और उस समय शासन–प्रशासन की चुनौतियां और जिम्मेदारियां भी बहुत बड़ी थी। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पहले दो— मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत और सम्पूर्णानन्द—के बाद गुप्त जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तो पहले ही दिन उन्होंने मंत्रियों के वेतन और भत्ते को कम करने का कार्य किया ताकि सरकार के खर्च को कम किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा, "आज देश और प्रदेश में जो प्रशासनिक व्यवस्था काम कर रही है, उसकी नींव रखने में चंद्रभानु गुप्त जी जैसे लोगों का बहुत बड़ा योगदान है।' उन्होंने कहा, "चंद्रभानु जी ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहे। लेकिन जितने भी कम समय सत्ता में रहे, उन्होंने जनकल्याण के कामों को प्राथमिकता दी। वह हमेशा अपनी ईमानदारी के लिए जाने जाते थे।" सिंह ने कहा कि गुप्त 'कामराज योजना' से सहमत नहीं थे, लेकिन इसी के चलते उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, ष्आप कल्पना कर सकते हैं कि कैसे एक निर्वाचित नेता को कुछ लोगों की नापसंदगी के कारण पद छोड़ना पड़ा होगा।' साल १९६३ में (मद्रास के पूर्व मुख्यमंत्री) के. कामराज ने जवाहरलाल नेहरू को सुझाव दिया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को संगठनात्मक कार्य करने के लिए मंत्री पद छोड़ देना चाहिए।

11 विरासत भवनों और किलों को पर्यटन स्थलों में बदलने की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के ऐतिहासिक ध रोहरों को नया जीवन देने के लिए ११ पुराने किलों और भवनों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने की पहल शुरू की है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, पर्यटन विभाग ने एजेंसियों के माध्यम से इसके लिए अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) आमंत्रित किया है। यह कार्य सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) के तहत होगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू होने जा रही इस पहल से न सिर्फ विरासत किलों और भवनों का इतिहास बचेगा, बल्कि स्थानीय पर्यटन बढ़ेगा और हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा। बयान के मुताबिक, इन ११ विरासत स्थलों में ललितपुर का तालभेहट किला, बांदा का रनगढ़ और भूरागढ़ किला, गोण्डा की वजीरगंज बारादरी, लखनऊ का आलमबाग भवन, गुलिस्तान–ए–इरम और दर्शन विलास, कानपुर की टिकैत राय बारादरी, महोबा का मस्तानी महल और सेनापति महल, झांसी का तहरौली किला और मथुरा का

सीताराम महल (कोटवान किला) शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि ये सभी स्थान अपनी खास वास्तुकला और इतिहास की कहानियों के लिए मशहूर हैं। इनका पुनरोद्धार करके इन्हें होटल, सांस्कृतिक केंद्र या संग्रहालय में बदला जाएगा, ताकि पर्यटक यहां ठहर सकें और इतिहास को करीब से महसूस कर सकें। इसके अनुसार, बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में यह योजना खास तौर पर फायदेमंद होगी, जहां पर्यटन बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

सम्पादकीय

ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का सामान्य असर

ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का सामान्य असर रहा। सामान्य इस अर्थ में कि अब हर साल एक या दो बार होने वाले ऐसे विरोध आयोजनों का जैसा प्रभाव होता है, वैसा इस बार भी हुआ। कुछ राज्यों में परिवहन पर असर पड़ा, सार्वजनिक निगमों में हड़ताल जैसा माहौल बना, और जुलूस– प्रदर्शन निकाले गए। किसानों के संगठन– संयुक्त किसान मोर्चा ने कई स्थानों पर बंद के समर्थन में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। ट्रेड यूनियनों ने इस माध्यम से आम तौर पर नव–उदारवादी आर्थिक नीतियों और खास तौर पर चार श्रमिक संहिताओं के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया। इसके बाद संभवतः कई महीनों के बाद ये संगठन फिर से अपना विरोध जताएंगे। यह क्रम कई दशक पुराना हो चुका है। इसलिए ट्रेड यूनियनों और उनके समर्थक संगठनों के लिए यह आत्म–निरीक्षण का विषय है कि इस रास्ते अब तक उन्होंने क्या हासिल किया है या आगे इससे वे क्या अपेक्षाएं रखते हैं? हकीकत यह है कि ट्रेड यूनियनों के विरोध के बावजूद नव–उदारवादी आर्थिक नीतियां अपनी रफ्तार से आगे बढ़ी हैं। कुछेक अपवादों को छोड़ कर राजनीतिक दलों के बीच इन नीतियों पर आम सहमति है। ट्रेड यूनियनें गंभीरता से सोचें, तो उन्हें अहसास होगा कि इस आम सहमति में सेंध लगाने में उन्हें अब तक कोई कामयाबी नहीं मिली है। तो फिर ऐसे अप्रभावी विरोध का सिलसिला जारी रखने का क्या तर्क है? दरअसल, विरोध का कौन तरीका प्रभावी होगा, यह काफी कुछ तरीका सिस्टम के स्वरूप से तय होता है। आज जबकि शासक वर्ग ने राजनीति को जातीय, भाषाई, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय पहचान के मुद्दों पर केंद्रित कर रखा है, वर्गीय प्रश्नों पर प्रतीकात्मक विरोध के जरिए शायद ही कोई असर छोड़ने की गुंजाइश बची है। ऐसा हो, इसके लिए अनिवार्य है कि पहले विमर्श को वर्गीय प्रश्नों की तरफ लाने का अभियान चलाया जाए और फिर उन प्रश्नों पर संघर्षों में निरंतरता लाई जाए। मगर जिस समय वामपंथी राजनीति भी पहचान के मुद्दों में पूरी तरह उलझी हुई है, ट्रेड यूनियनों के लिए ऐसा कर पाना आसान नहीं रह गया है। और उन्होंने ऐसा कोई प्रयास किया भी नहीं है।

'एनओसी' देने के नाम पर ५० हजार रुपये रिश्वत लेते हुए वन विभाग का लिपिक रंगे हाथों गिरफ्तार

मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस के भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) ने मथुरा में शुक्रवार को वन विभाग के प्रधान लिपिक को पेट्रोल पंप लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के नाम पर कथित रूप से पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आगरा से आई एसीओ की टीम ने आरोपी के खिलाफ जमुना पार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराकर उसे अपने साथ ले गई है। उसे शनिवार को मेरठ में भ्रष्टाचार निरोधक मामलों की सुनवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा। एसीओ (आगरा) के प्रभारी सहदेव सिंह ने बताया कि भारतीय तेल निगम ने २०२२ में नगला हसनपुर निवासी राजन सिंह के आवेदन को स्वीकृत करते हुए पेट्रोल पंप लगाने के लिए हरी झण्डी दे दी थी, किंतु, वन विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र न दिए जाने से उनकी फाइल अटकी पड़ी थी। उन्होंने बताया कि पता करने पर राजन सिंह को मालूम हुआ कि फाइल प्रधान लिपिक ने रोक रखी है जिसके बाद वह अपने बहनोई के साथ लिपिक से मिला तो उसने दो लाख रुपये मिलने के बाद ही पत्रावली निस्तारित करने की शर्त रख दी। सहदेव सिंह के मुताबिक इस पर उन लोगों ने इतनी रकम न होने की बात कही, तो मामला पहली किश्त में ५० हजार देने का तय हो गया। इसके बाद राजन सिंह के बहनोई ने आगरा स्थित एसीओ में शिकायत दर्ज करा दी। आरोपों की पुष्टि होने के बाद शुक्रवार दोपहर में एसीओ टीम ने जाल बिछाकर सामाजिक वानिकी प्रभाग कार्यालय में आरोपी किशोर चतुर्वेदी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीओ प्रभारी ने बताया कि थाने में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की संबंधित धाराओं में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राम विरोधियों की दुर्गति होनी तय है : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि जो भी राम विरोधी है, उसकी दुर्गति होनी तय है। योगी आदित्यनाथ गुरु पूर्णिमा के पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए समाजवाद के प्रणेता कहे जाने वाले डॉक्टर राम मनोहर लोहिया का जिक्र किया और कहा, "प्रखर समाजवादी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया भी कहते थे कि भारत में जब तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीला पुरुषोत्तम मुरलीधर भगवान श्रीकृष्ण और देवों के देव भगवान शंकर की पूजा होती रहेगी तब तक दुनिया में कोई माई का लाल भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगा। डॉक्टर लोहिया के वर्तमान चेले (सपा नेता)

भले ही उनकी बात न मानते हों लेकिन यह बात तय है कि जो राम विरोधी है, उसकी दुर्गति होनी ही है।" मुख्यमंत्री ने कहा,"डॉक्टर लोहिया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रखर समाजवादी और कांग्रेस के प्रखर विरोधी थे। आजादी के बाद जब भारतीयों की एकजुटता को लेकर कुछ लोगों ने शंका जताई थी तब उन्होंने जवाब दिया था कि राम, कृष्ण और शंकर की पूजा होने तक भारत की एकजुटता का प्रश्न ही खड़ा नहीं होता।" उन्होंने १९६० में तत्कालीन सपा सरकार के कार्यकाल में अयोध्या में कार सेवकों पर गोली चलाये जाने की घटना की तरफ इशारा करते हुए कहा,"प्रखर समाजवादी लोहिया के विचार से इतर आज के समाजवादी रामभक्तों पर गोली चलाते हैं।" योगी आदित्यनाथ ने कहा,"उच्चकुल में पैदा होने के बावजूद मारीच की दुर्गति सबको पता है। उसका जन्म मनुष्य रूप में होता है जबकि पशु रूप में मारा जाता है।

औरंगजेब का उद्देश्य सनातन को मिटाना था, गुरु तेग बहादुर ने दी थी चुनौतीः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु तेग बहादुर जी के ३५०वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री आवास पर यात्रा के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे नवंबर में मनाया जाएगा। इस दौरान सीएम ने एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इस कार्यक्रम के माध्यम से उनकी यात्रा और ३५० वर्षों के संपूर्ण इतिहास को जीवंत किया जा रहा है। योगी ने आगे कहा कि वह युग कैसा रहा होगा जब औरंगजेब जैसा क्रूर और बर्बर शासक था? उस काल में हर जगह अत्याचारों की खबरें आती थीं। औरंगजेब का उद्देश्य सनातन धर्म का उन्मूलन करना था। इस्लामीकरण के अपने व्यापक अभियान में, उसे पहली चुनौती गुरु तेग बहादुर महाराज से ही मिली। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने बलरामपुर में एक बड़ी जांच शुरू की है। आपने देखा होगा कि उसने

(जलालुद्दीन उर्फ चिंगुर बाबा) धर्मांतरण के लिए दरें तय कर रखी थीं। उसे विदेशी फंडिंग मिल रही थी। उसके ४० बैंक खातों में १०० करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन पाया गया। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि जो भी राम विरोधी है, उसकी दुर्गति होनी तय है। योगी आदित्यनाथ गुरु पूर्णिमा के पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए समाजवाद के प्रणेता कहे जाने वाले डॉक्टर राम मनोहर लोहिया का जिक्र किया और कहा, "प्रखर समाजवादी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया भी कहते थे कि भारत में जब तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीला पुरुषोत्तम मुरलीधर भगवान श्रीकृष्ण और देवों के देव भगवान शंकर की पूजा होती रहेगी तब तक दुनिया में कोई माई का लाल भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगा। डॉक्टर लोहिया के वर्तमान चेले (सपा नेता) भले ही उनकी बात न मानते हों लेकिन यह बात तय है कि जो राम विरोधी है, उसकी दुर्गति होनी ही है।'

कांवड़ मार्ग में ढाबों पर फूड सेफ्टी स्टिकर्स अनिवार्य

लखनऊ। ११ जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा से पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने तीर्थयात्रा मार्ग पर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता अभियान को तेज कर दिया है। इसके तहत सभी भोजनालयों के लिए फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप से जुड़े क्यूआर–कोड वाले स्टिकर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य इस वर्ष यात्रा पर आने वाले अनुमानित चार करोड़ तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की विशेष सचिव एवं अपर आयुक्त रेखा एस चौहान ने बताया कि राज्य भर के सभी कांवड़ मार्गों पर हमने एक विशेष अभियान शुरू किया है, जहाँ हम सभी रेस्टोरेंट और खाने–पीने की दुकानों पर श्सेफ्टी ऐप कनेक्टश स्टिकर चिपका रहे हैं। हमने रेस्टोरेंट मालिकों को बेची जा रही सभी वस्तुओं की रेट लिस्ट लगाने का भी निर्देश दिया है। सभी मार्गों पर खाने–पीने की चीजों और स्वच्छता की भी जाँच की जा रही है। ढाबों, रेस्टोरेंट और भंडारा आयोजकों को भोजन तैयार करते समय गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इसको लेकर सवाल खड़े किए। इमरान मसूद ने पूछा कि क्या वे रोजगार के अवसरों के लिए भी क्यूआर कोड लगाएंगे? उन्होंने कहा कि त्योहारों पर क्यूआर कोड लगाकर वे नफरत फैला रहे हैं और लोगों को बाँट रहे हैं। वे देश को कहाँ ले जाना चाहते हैं? बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन वे इस पर बात नहीं करना चाहते। हालाँकि इस साल नेमप्लेट या धार्मिक पहचान के बारे में कोई नया निर्देश नहीं आया है, लेकिन मालिक के नाम और पंजीकरण वाले डिजिटल स्टिकर ने जुलाई २०२४ की यादें ताजा कर दी हैं, जब यूपी पुलिस ने २४० किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग पर दुकान मालिकों को अपना नाम और फोन नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने का एक विवादास्पद आदेश जारी किया था। यह आदेश, जिसे बाद में सरकार ने ९ जुलाई, २०२४ को पूरे राज्य में लागू कर दिया, कई लोगों ने इसे हिंदू नामों से संचालित मुस्लिम स्वामित्व वाली दुकानों की पहचान करने के प्रयास के रूप में देखा। ध ार्मिक पहचान की घटनाओं की रिपोर्ट के बाद इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई, जिसमें एक चौंकाने वाला मामला भी शामिल था जहाँ एक स्वयंभू धार्मिक नेता की टीम ने एक रेस्टोरेंट कर्मचारी को अपना ध र्म साबित करने के लिए आंशिक रूप से कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया।

लखनऊ में नई ब्रह्मोस परीक्षण सुविधा भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगीः राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की नवनिर्मित एकीकरण और परीक्षण सुविधा रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। सिंह ने यह बात लखनऊ में एक कार्यक्रम में कही जहां उन्होंने नेशनल पीजी क लेज में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की प्रतिमा का अनावरण किया और एक डाक टिकट जारी किया। सिंह ने कहा, ष्कुछ दिन पहले ही, मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा रक्षा क्षेत्र में हमारे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। इससे रोजगार भी पैदा होगा।' उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की सराहना की जिसके कारण राज्य में निवेश बढ़ रहा है और उद्योग फल–फूल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, ष्बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डा, मेट्रो, मेडिकल क लेज... ये सभी विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं।ष लखनऊ से लोकसभा सदस्य सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की भी प्रशंसा की। गुप्त तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। सिंह ने कहा, ष्चंद्रभानु गुप्त जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और अपने त्याग, प्रतिबद्धता और नेतृत्व से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई। चंद्रभानु गुप्त का जीवन हमें बताता है कि सत्ता का मतलब केवल पद या अधिकार नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी, त्याग और जनता के हितों की रक्षा करना है।' उन्होंने

कहा, ष्उनका जीवन हमें यह संदेश भी देता है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दुश्मनी नहीं होनी चाहिए।ष सिंह ने यह भी कहा कि गुप्त एक नेता से ज्यादा एक जनसेवक थे। उन्होंने कहा, "जब हम उत्तर प्रदेश के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हैं तो स्वाभाविक रूप से चंद्रभानु गुप्त जी का नाम सामने आता है।" सिंह ने गुप्त के संघर्षों की चर्चा करते हुए कहा कि देश के आजाद होने के बाद जब संविधान लागू हुआ और आधुनिक लोकतंत्र की नींव पड़ी, तब देश कई बड़ी–बड़ी समस्याओं से जूझ रहा था और उस समय शासन–प्रशासन की चुनौतियां और जिम्मेदारियां भी बहुत बड़ी थी। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पहले दो–– मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत और सम्पूर्णानन्द–– के बाद गुप्त जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तो पहले ही दिन उन्होंने मंत्रियों के वेतन और भत्ते को कम करने का कार्य किया ताकि सरकार के खर्च को कम किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा, "आज देश और प्रदेश में जो प्रशासनिक व्यवस्था काम कर रही है, उसकी नींव रखने में चंद्रभानु गुप्त जी जैसे लोगों का बहुत बड़ा योगदान है।ष उन्होंने कहा, "चंद्रभानु जी ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहे। लेकिन जितने भी कम समय सत्ता में रहे, उन्होंने जनकल्याण के कामों को प्राथमिकता दी। वह हमेशा अपनी ईमानदारी के लिए जाने जाते थे।" सिंह ने कहा कि गुप्त श्कामराज योजनाश से सहमत नहीं थे, लेकिन इसी के चलते उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, ष्आप कल्पना कर सकते हैं कि कैसे एक निर्वाचित नेता को कुछ लोगों की नापसंदगी के कारण पद छोड़ना पड़ा होगा।' साल १९६३ में (मद्रास के पूर्व मुख्यमंत्री) के. कामराज ने जवाहरलाल नेहरू को सुझाव दिया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को संगठनात्मक कार्य करने के लिए मंत्री पद छोड़ देना चाहिए। इस सुझाव को श्कामराज योजनाश के नाम से जाना गया। इस योजना के तहत छह मुख्यमंत्रियों और छह केंद्रीय मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। बाद में नौ अक्टूबर, १९६३ को कामराज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए।

पूरी तरह नाकाम हो चुकी है भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार, २०२७ में हमेशा के लिए विदाई तयः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बारिश के मौसम में जगह–जगह जलभराव और अन्य परेशानियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि केन्द्र, प्रदेश और नगर निकायों में काबिज सत्तारूढ़ दल की श्ट्रिपल इंजनश सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। अखिलेश यादव ने यहां एक बयान में दावा किया कि भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और लापरवाही जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात का मौसम शुरू होते ही नगरों का बुरा हाल हो गया है, नाले उफान पर हैं, सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं, नालियां जाम हो रही हैं और बरसात का पानी जगह–जगह जमा हो रहा है। सपा प्रमुख ने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और शहरों में गंदगी व कूड़े का अम्बार लगा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की "ट्रिपल इंजन' सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। सपा प्रमुख ने कहा, श्श्केन्द्र और प्रदेश की सरकार के साथ ही नगर निकायों में जहां भाजपा वर्षों से काबिज है, वहां बुरा हाल है। काशी, गोरखपुर, लखनऊ से लेकर कानपुर, झांसी तक हर जगह एक जैसी स्थिति है। वर्षों से नगर निगमों पर काबिज भाजपा लोगों को मूलभूत सुविधाएं और साफ–सफाई की व्यवस्था नहीं दे पा रही है। नालों और नालियों की सफाई के बजट का बंदरबांट हो रहा है। सफाई के नाम पर खानापूर्ति हो रही है।'' उन्होंने कहा, श्श्सरकार बारिश

को गंभीरता से ले। सरकार की बदइंतजामी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रदेश में भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार के स्मार्टसिटी, गड्ढा मुक्त सड़कें और जनता की मूलभूत सुविधाओं को लेकर किए जा रहे सारे दावे नाकाम हो चुके हैं। भाजपा सरकार ने नौ साल में जमीन पर कोई काम नहीं किया। इनका विकास जमीन पर नहीं है सिर्फ कागजों पर है।'' यादव ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने समाज में नफरत फैलाने के अलावा कोई काम नहीं किया है तथा जनता के बीच भाजपा की सच्चाई सामने आ चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष २०२७ के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता हमेशा के लिए भाजपा की विदाई कर देगी।

बसपा अध्यक्ष मायावती ने कुछ राज्यों में भाषा को लेकर विवाद और हिंसा पर चिंता जाहिर की

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने कुछ राज्यों में भाषा को लेकर विवाद और हिंसा पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को इसे 'घातक' प्रवृत्ति बताया और कहा कि धर्म, क्षेत्र, जाति व भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति पर हावी होने का प्रयास करती है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हर भारतीय को भारतीयता पर गर्व करके कार्य करना चाहिए। पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती ने यहां केंद्रीय कैंप कार्यालय में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल की संगठनात्मक तैयारी और जनाधार बढ़ाने समेत कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर गहन समीक्षा बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। संकीर्ण उद्देश्यों के लिए भाषा और जातीय हिंसा आदि मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मायावती ने केंद्र और राज्य की सरकारों से कानून–व्यवस्था के साथ–साथ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य आदि जैसे जनहित के जरूरी मुद्दों पर खास ध्यान देने की मांग की। मायावती ने खासतौर से महाराष्ट्र और तमिलनाडु आदि राज्यों में भाषाई विवाद व उसको लेकर हिंसा पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, "ऐसी प्रवृत्ति घातक है और यह सब तब होता है जब धर्म,क्षेत्र, जाति व भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति व उनके देश प्रेम पर हावी होने का प्रयास करती है।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि

मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, जहां से सभी राज्यों के लोगों का सीधा वास्ता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपेक्षा की कि मुंबई में रहने वाले लोगों की जान माल और मजहब की सुरक्षा की गारंटी सरकार को जरूर सुनिश्चित करनी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी और उसकी सरकार के भीतर राजनीतिक गुटबाजी टकराव से उत्पन्न अस्थिरता के माहौल की ओर संकेत करते हुए कहा कि इससे कानून का राज प्रभावित हो रहा है।उन्होंने कहा कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल में हालांकि अलग–अलग पार्टी व गठबंधन की सरकार हैं लेकिन वहां भी "सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय" की स्थिति कोई अलग और बेहतर नहीं है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, "(वे) हर मुसीबत के समय पूरी निष्ठा के साथ अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की मदद जरूर करें, क्योंकि मजलूम ही मजलूम का सही मददगार हो सकता है, वरना राजनीतिक स्वार्थ के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले लोगों की कोई कमी नहीं है।" बयान के मुताबिक, बसपा प्रमुख ने सातों राज्यों के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक प्रगति के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने–अपने राज्यों में व्याप्त कमियों पर ध्यान दें और उन्हें दूर करें। साथ ही, आंबेडकरवादी मूल्यों–जैसे मानवतावादी सोच, ईमानदार चरित्र और स्वाभिमानी नेतृत्व–को बनाए रखते हुए बाबा साहब आंबेडकर के आत्म–सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन को आगे बढ़ाएं।

भांजी आयशा की बेरहमी से पिटाई से बच्ची की मौत, मौसी रुबीना गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र स्थित चंदन गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां महिला ने अपनी ६ साल की भांजी आयशा की बेरहमी से पिटाई की, जिससे बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में रुबीना को गिरफ्तार कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। बच्ची सीतापुर की रहने वाली थी। बच्ची का पिता शमशुद्दीन सीतापुर के महमूदाबाद स्थित बिलासपुर में रहकर मजदूरी करता है। बीते दिनों लखनऊ के इंदिरा नगर स्थित चंदन गांव की रुबीना शमशुद्दीन की ६ साल की बेटी आयशा को अपने साथ ले आई, बताया जा रहा है कि रुबीना आयशा को पढ़ने के लिए लेकर आई थी, रुबीना रिश्ते में बच्ची की मौसी बताई जा रही है। रुबीना आरोप है कि उसने पढ़ाई के लिए ६ साल की आयशा की पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई। इतना ही नहीं बच्ची की मौत होने पर रुबीना ने झूठी कहानी गढ़ी और बच्ची के माता–पिता से बच्ची की मौत की असल वजह भी छिपाई, लेकिन परिजनों ने जब बच्ची का शव देखा तो उन्हें सारी हकीकत पता चली और उन्होंने पुलिस से शिकायत की है। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर रुबीना को गिरफ्तार कर लिया है। शमसुद्दीन ने बताया कि रुबीना, जो उनकी रिश्तेदार और आयशा की मौसी है, आयशा को पढ़ाने के लिए अपने साथ लखनऊ ले गई थी। रुबीना ने दावा किया था कि वह आयशा की शिक्षा का ध्यान रखेगी। हालांकि, उसने पढ़ाई के नाम पर बच्ची पर इतना अत्याचार किया कि मासूम की जान चली गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि आयशा के शरीर पर चोट के निशान थे, जो उसकी मौत का कारण बने। घटना के बाद रुबीना ने परिजनों को गुमराह करने की कोशिश की और बच्ची की मौत को बीमारी का परिणाम बताया। लेकिन जब परिजनों ने शव देखा, तो चोट के निशान देखकर उन्हें सच्चाई का पता चला। शमसुद्दीन ने इंदिरा नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने रुबीना के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया।

खास शख्सियतें अब राज्यसभा में, राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी ने उज्ज्वल निकम समेत चार दिग्गजों को किया नामित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार, १२ जुलाई, २०२५ को राज्यसभा के लिए चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को नामित किया है। इन नामित सदस्यों में प्रख्यात वकील उज्ज्वल निकम, अनुभवी राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला, जानी–मानी इतिहासकार डॉ. मीनाक्षी जैन और केरल के शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर शामिल हैं। एक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, यह नामांकन पूर्व नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई सीटों को भरने के लिए किया गया है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद ८०(१)(ए) में मिली अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन नामों को मंजूरी दी है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को राज्यसभा में नामित करने का अधिकार देता है। उज्ज्वल निकम भारत के सबसे प्रमुख लोक अभियोजकों में से एक हैं। वे २६७११ के मुंबई आतंकवादी हमलों सहित कई हाई–प्रोफाइल आपराधिक मामलों में विशेष लोक अभियोजक के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं। २०२४ के आम चुनावों में, भाजपा ने उन्हें मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था, हालांकि उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ से हार का सामना करना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निकम को बधाई देते हुए कहा, श्श्री उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और हमारे संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए काम किया है। यह खुशी की बात है कि भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें

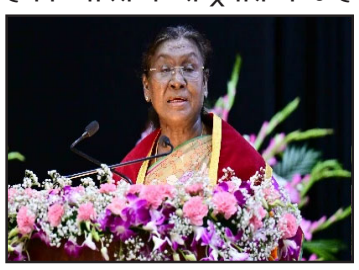

राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है।श पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत सहित कई महत्वपूर्ण राजनयिक पदों पर कार्य किया है। उन्होंने २०२३ में भारत की G२० अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रृंगला को बधाई देते हुए कहा, श्श्री हर्षवर्धन श्रृंगला जी ने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे खुशी है कि उन्हें राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया है। उनके अद्वितीय दृष्टिकोण संसदीय कार्यवाही को और समृद्ध करेंगे।' केरल के सी. सदानंदन मास्टर एक वरिष्ठ शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिनका लंबे समय से भाजपा से जुड़ाव रहा है। उन्होंने २०२१ का केरल विधानसभा चुनाव लड़ा था। वे १९९४ में एक क्रूर राजनीतिक हिंसा में बच निकलने के लिए भी जाने जाते हैं, जब उन पर हमला किया गया था और उनके दोनों पैर काट दिए गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर सदानंदन मास्टर को बधाई दी, 'श्री सी. सदानंदन मास्टर का जीवन साहस और अन्याय के आगे न झुकने की भावना का प्रतीक है। हिंसा और धमकी राष्ट्रीय विकास के प्रति उनके जज्बे को डिगा नहीं सकी। एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी उनके प्रयास सराहनीय हैं।श इस सूची में प्रसिद्ध इतिहासकार और दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में इतिहास की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी जैन का नाम भी शामिल है। भारतीय इतिहास के क्षेत्र में उनके कार्यों और शिक्षा जगत में उनके योगदान को व्यापक रूप से मान्यता मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि डॉ. मीनाक्षी जैन जी को राष्ट्रपति जी द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। उन्होंने एक विद्वान, शोधकर्ता और इतिहासकार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। शिक्षा, साहित्य, इतिहास और राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में उनके कार्यों ने अकादमिक विमर्श को काफी समृद्ध किया है।'

क्या पायलट की गलती थी या कुछ और? शुरुआती रिपोर्ट पर विवाद गहराया

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के एक महीने बाद, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (**AAIB**) ने अपनी शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी कर दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया की उड़ान **AI-171** के दोनों इंजनों को ईंधन पहुंचाने वाले स्विच बंद हो गए थे, जिससे पायलटों में भ्रम पैदा हो गया। इसके कुछ ही सेकंड बाद विमान अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, विमानन विशेषज्ञों ने इस रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। वे **AAIB** की इस शुरुआती जांच से पूरी तरह सहमत नहीं दिख रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान के दौरान सह–पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। विमान ने दोपहर १ बजकर ३८ मिनट ३९ सेकंड पर उड़ान भरी, और उसके एक सेकंड बाद ही, १८० नॉट्स की गति पर, दोनों इंजन के ईंधन 'कटऑफ स्विच' 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति में चले गए। इसके ठीक बाद, १ बजकर ३९ मिनट ०५ सेकंड पर एक पायलट ने आपातकालीन 'मे डे' संदेश दिया। कॉकपिट वॉयस रिक डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, तो दूसरे ने मना किया कि उसने ऐसा नहीं किया। भारतीय वायुसेना (**IAF**) के पूर्व निदेशक संजीव कपूर ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (**AAIB**) की शुरुआती रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए कपूर ने १५ पन्नों की इस रिपोर्ट को अधूरा बताया है और इसकी देरी पर भी सवाल उठाए हैं। कपूर का कहना है कि 'कोई भी पायलट 'मेडे' कॉल को हल्के में नहीं लेता,' जिसका मतलब है कि कुछ गंभीर हुआ है। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों इंजन फेल हुए, लेकिन रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि वे फेल कैसे हुए। उन्होंने **AAIB** के इस निष्कर्ष को 'बिल्कुल अजीब' बताया कि पायलट ने जानबूझकर

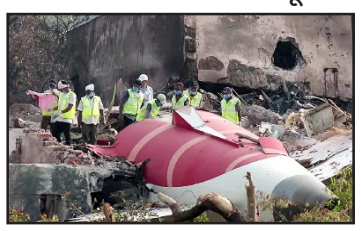

ईंधन कट–ऑफ स्विच को सक्रिय किया होगा। कपूर ने कहा, 'एक समझदार पायलट उड़ान भरने के तुरंत बाद ऐसा क्यों करेगा?' उन्होंने इस रिपोर्ट को जारी करने में लगे समय की भी आलोचना की। कपूर ने बताया कि कॉकपिट डेटा लगभग तीन हफ्ते पहले ही डाउनलोड कर लिया गया था। उनके अनुसार, 'इस रिपोर्ट को आने में २० दिन लग गए, जो बहुत लंबा है। उनके पास सारा डेटा होने के बावजूद, इस रिपोर्ट में कहीं ज्यादा विवरण होना चाहिए था।' एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (**ALPA**) ने शनिवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना की निष्पक्ष और तथ्य–आधारित जांच की मांग की है। एसोसिएशन का दावा है कि जांच की मौजूदा दिशा पायलट की गलती पर ज्यादा केंद्रित दिख रही है। **ALPA** इंडिया ने इस धारणा को खारिज करते हुए कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए उनके प्रतिनिधियों को जांच प्रक्रिया में पर्यवेक्षक के तौर पर शामिल किया जाए।

यूरोपीय संघ, मेक्सिको पर ट्रंप ने लगाया टैरिफ

नई दिल्ली। नौ जुलाई की डेडलाइन समाप्त होने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया भर के देशों पर टैरिफ लगाने में जुट गए हैं। दक्षिण कोरिया और जापान जैसे मित्र देशों के बाद अब उन्होंने यूरोपीय संघ पर भी ३० फीसदी टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप ने पड़ोसी देश मेक्सिको पर भी ३० फीसदी शुल्क लगाया है। साथ ही दोनों को चेतावनी भी दी है कि अगर उन्होंने अपना टैरिफ बढ़ाने की कोशिश की तो वे जितना टैरिफ बढ़ाएंगे अमेरिका भी उतना अतिरिक्त टैरिफ उन पर लगाएगा, जो इस ३० फीसदी से अलग होगा। ट्रंप ने कहा कि एक अगस्त से मेक्सिको और यूरोपीय संघ से अमेरिका में आने वाले सामान पर टैरिफ लागू होगा। अपने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रंप ने इसकी जानकारी दी। टैरिफ बढ़ाने के साथ ही ट्रंप ने दोनों को धमकी दी कि अगर वे जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो टैरिफ रेट और बढ़ा दी जाएगी। ट्रंप ने दोनों को लिखी चिट्ठी में लिखा है, 'अगर आप जवाबी कार्रवाई करते हैं और टैरिफ बढ़ाते हैं, तो वो जितने भी प्रतिशत हों, मैं उन्हें हमारे ३० फीसदी में जोड़ दूंगा'। ट्रंप ने इस तरह की चिट्ठी दुनिया के कई देशों को भेजी है, जिसमें कई अमेरिका के घनिष्ठ मित्र और कारोबारी साझीदार हैं। बहरहाल, ट्रंप के

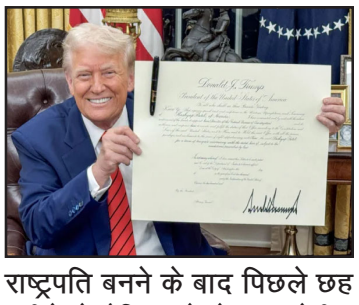

राष्ट्रपति बनने के बाद पिछले छह महीने से टैरिफ को लेकर यूरोपीय संघ और मेक्सिको, अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे थे। लेकिन ट्रंप के ऐलान से साफ हो गया है कि उनके बीच समझौता नहीं हो पाया है। यूरोपीय संघ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोन मी है। इसमें यूरोप के २७ देश शामिल हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हर दिन करीब साढ़े तीन अरब डॉलर का व्यापार होता है। वहीं, मेक्सिको अमेरिका का सबसे बड़ा कारोबारी साझीदार है। यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष को लिखी चिट्ठी में ट्रंप ने कहा कि एक अगस्त से यह टैरिफ लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर कोई यूरोपीय कंपनी अपने उत्पादों को दूसरे देश के रास्ते ट्रांसशिप कर अमेरिका भेजती है, तो उन पर भी यही टैरिफ लगेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, और ३० फीसदी का यह टैरिफ उसे सुधारने की दिशा में एक जरूरी कदम है। उन्होंने यूरोपीय कंपनियों को यह प्रस्ताव भी दिया कि अगर वे अमेरिका में अपने उत्पाद बनाना शुरू कर दें, तो उन्हें टैरिफ नहीं देना पड़ेगा। दूसरी ओर मेक्सिको के राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी में ट्रंप ने कहा कि यह टैरिफ मेक्सिको में फैले फेंटेनाइल ड्रग के चलते लगाया जा रहा है। उन्होंने मेक्सिकन ड्रग कार्टेल्स को दुनिया के सबसे बुरा बताया और कहा कि ये कार्टेल्स फेंटेनाइल जैसी घातक दवाओं को अमेरिका में ला रहे हैं।

बिहार में ६० वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या, चिराग पासवान ने कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में शनिवार को ६० वर्षीय एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मृतका पटना के एक अस्पताल में कार्यरत थी और उसकी पहचान सुशीला देवी (६०) के रूप में हुई है। यह घटना नूरसराय पुलिस थाने के अंतर्गत डोइया गांव में शनिवार सुबह करीब १० बजे घटी। सुशीला देवी इस दौरान अपने खेत से लौट रही थीं। सदर–२ उप–विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) संजय कुमार जायसवाल ने संवाददाताओं को बताया, महिला के बेटे के अनुसार, हमलावरों ने घात लगाकर उसके सिर में गोली मार दी। उसे तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा,

प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि घटना के पीछे का कारण कोई पुराना संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है... आगे की जांच जारी है। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बढती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जतायी है।

हर परिस्थिति में मरीज का साथ देती हैं नर्स इनका का योगदान को नहीं भुला सकते

लखनऊ। किसी भी चिकित्सा संस्थान को सफल बनाने में चिकित्सकों का जितना योगदान होता है, उतना ही नर्सों का भी होता है। नर्सेस किसी भी मरीज को देखभाल अपने पारिवारिक सदस्य की तरह करती हैं। कुशल नर्सेस के बिना कोई भी चिकित्सा संस्थान लंबे समय तक काम नहीं कर सकता। नर्सेस चिकित्सा जगत की रीढ़ की हड्डी हैं। यह कहना है डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का। वे रविवार को नेशनल क न्फ्रेंस ऑन नर्सिंग लीडरशिप एंड एक्सीलेंस–२०२५ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश भर से आईं नर्सेज का स्वागत किया और आयोजकों का आभार जताया। किंग जॉर्ज मेडिकल विश्विवद्यालय स्थित अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि इतिहास गवाह है कि नर्सेज ने किसी भी परिस्थिति में मरीजों का साथ नहीं छोड़ा। फिर चाहे वे युद्ध हो या महामारी। नर्सेज के अतुल्यनीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकाता। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चिकित्सा जगत चिकित्सकों के बिना अधूरा है, वैसे ही नर्सेज के बिना भी चिकित्सा संभव नहीं है। चिकित्सक मरीज की बीमारी का पता लगाते हैं, उनका उपचार करते हैं लेकिन देखभाल नर्सेस करती हैं। मरीजों को पूर्ण रूप से स्वास्थ करा कर घर भेजने का काम नर्सेज का ही होता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा जगत में नर्सेस सर्वोच्च पायदान पर खड़ी हैं। किसी भी अस्पताल या चिकित्सा संस्थान की सफलता नर्सेस द्वारा ही तय की जाती है। चिकित्सक समय–समय पर मरीज को देखने आते हैं लेकिन नर्सेस सदैव ही उनकी सेवा करती हैं। उन्होंने नर्सेस के इस सामाजिक योगदान के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण रूप से उनके साथ खड़ी है। किसी भी स्थिति में वे कभी भी उनसे संपर्क कर सकती हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि नर्सेस के लिए उनके घर के दरवाजे हमेशा खुले हैं। सामाजिक सरोकार से जुड़ी संस्था टिशा केयर्स तथा समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेन्शन सेंटर में "नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नर्सिंग एक्सिलेंस एंड लीडरशिप" शीर्षक से राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन के आयोजन में ट्रेन्ड नर्सिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उत्तर प्रदेश चौप्टर सहयोगी की भूमिका में रहा। क्वालिटी एक्रिडिटेशन ऑफ इंडिया की भूमिका न लेज पार्टनर

की रही। एडमी ने भी कार्यक्रम में विशेष सहयोग किया। टिशा केयर्स के संस्थापक निदेशक मनीष वैष्णव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस मौके पर डॉ. हेम चन्द्रा को "फादर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड" शीर्षक से लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। नर्सिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रिटायर्ड मेजर जनरल सुशीला शाही को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। दोनों हस्तियों को यह सम्मान मुख्य अतिथि के हाथों दिया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन की शुरुआत वंदना और समर्पण इंस्टीट्यूट की छात्रा प्रतीक्षा ने शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति से हुई। इस अवसर पर देशभर से आए नर्सिंग विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। नई दिल्ली से आईं भावना वर्मा, लखनऊ से डॉ. दीप्ति शुक्ला, प्रिसेला फर्नांडिस वॉड . रश्मि पी. जॉन, मुंबई से डॉ. शुभांगी आर. जाधव, हैदराबाद से डॉ. विन्सी अशोक त्रिभुवन तथा कानपुर से डॉ. जस्मी मनु ने व्याख्यान दिए। प्रोफेसर पिंकी देवी, डॉ. फरहा आजमी, डॉ. ई.बी. राज, कर्नल जीना, सुमन सिंह, डॉ. श्वेता रानी तथा जस्मी मनु ने अकादमिक सत्रों की अध्यक्षता की। प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता के जी.एन.एम. ग्रुप में सृष्टि प्रथम, क्रांति यादव द्वितीय और फैजान तृतीय स्थान पर रहे। बी.एस.सी. वर्ग में प्रियंका सोलंकी पहले, खुशी सिंह दूसरे और श्रद्धा जोशुआ तीसरे स्थान पर रहीं। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के विजेताओं को क्रमशरू ५१ हजार, ३१ हजार और ११ हजार रुपये के चेक दिए गए। इसके अतिरिक्त दोनों वर्गों में २२–२२ छात्रों को चेक दिए गए। पोस्टर प्रतियोगिता में संजु प्रथम, गौरव सिंह द्वितीय और श्रेया शर्मा तृतीय रहीं। पेपर प्रतियोगिता में प्रोफेसर सय्यद सुमैया पहले, कोमल उप्रेती दूसरे और के.ज्योतिश्री तीसरे स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में पूर्व कुलपति, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय डॉ. हेम चंद्रा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रिटायर्ड मेजर जनरल सुशीला शाही, अध्यक्ष, ट्रेंड नर्सिंग एसोसिएशन अ फ इंडिया, उत्तर प्रदेश चौप्टर कुमुदिनी मिश्रा, संस्थापक, समर्पण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट प्रोफेसर आरएस दुबे, प्रबंध निदेशक, एडमी नचिकेता दीक्षित, टिशा केयर्स के संस्थापक निदेशक मनीष वैष्णव, मुशाहिद रफत, केजीएमयू के उप नर्सिंग अधीक्षक प्रदीप गंगवार, संकेत बाली, डॉ. बीके राणा और अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बारिश के बीच नाले में गिरे व्यक्ति का शव एक दिन बाद बरामद, जेई निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और लखनऊ नगर निगम की एक टीम ने यहां भारी बारिश के बीच लापता एक व्यक्ति का शव रविवार को बरामद कर लिया। एक पार्षद ने यह जानकारी दी। लखनऊ के मल्लाही टोला–१ वार्ड के पार्षद सीबी सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह भारी बारिश के कारण स्थानीय निवासी और पेशे से पेंटर सुरेश लोधी (४५) फिसलकर नाले में गिर गये थे जिनका शव रविवार सुबह एसडीआरएफ के जवानों और लखनऊ नगर निगम की एक टीम ने बरामद किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उप्र के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने प्रमुख सचिव को उपरोक्त घटना की जांच कर जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर निगम प्रशासन ने संबंधित वार्ड के कनिष्ठ अभियंता (जेई) रमन कुमार सिंह को निलंबित कर दिया जबकि घटना के लिए जिम्मेदार ठेकेदार अंकित कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उसकी कंपनी को काली सूची में डाल दिया गया है। पार्षद सीबी सिंह ने रविवार को एक न्यूज एजेंसी से कहा, ''सुरेश लोधी का शव रविवार सुबह एसडीआरएफ के जवानों और लखनऊ नगर निगम की टीम ने उस जगह से लगभग एक से १.५ किलोमीटर आगे बरामद किया, जहां वह फिसलकर नाले में गिरे थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।'' सिंह ने कहा कि यह घटना शनिवार सुबह सात बजे से साढ़े सात बजे के बीच हुई, जब लखनऊ में लगातार बारिश हो रही थी। उन्होंने कहा, ''यह बहुत पुराना नाला है, इसलिए इसकी कुछ ईंटें टूट गई थीं। भारी बारिश के कारण जब जलभराव हुआ तो सुरेश लोधी टूटी जगह नहीं देख पाए और फिसलकर नाले में गिर गए। इलाके में जलभराव के कारण घुटनों तक पानी भर गया था।'' सिंह ने कहा कि उन्होंने यह मुद्दा पहले भी लखनऊ नगर निगम के सदन में उठाया था और फिर इसे उठाएंगे। सिंह ने कहा, ''मैंने

यह भी सुझाव दिया था कि एक समानांतर नया नाला भी बनाया जाना चाहिए, ताकि मौजूदा नाले पर दबाव धीरे–धीरे कम हो सके।'' उन्होंने कहा कि इस घटना के कारण स्थानीय निवासियों में नगर निगम के प्रति खासा रोष है। इससे पहले नगर निगम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मामले की सूचना मिलते ही नगर आयुक्त गौरव कुमार अधिकारियों के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ की टीम के सहयोग से राहत–बचाव कार्य शुरू किया। कई घंटों की खोजबीन के बाद रविवार को युवक का शव बरामद किया जा सका। नगर आयुक्त कुमार ने घटना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नगर निगम के पूरे अमले को सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी अपर नगर आयुक्तों, मुख्य अभियंता, जोनल अधिकारियों, जोनल सेनेटरी अधिकारियों, सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों समेत नगर निगम के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पूरे शहर में विशेष अभियान चलाया जाए। बयान में कहा गया कि प्रथम दृष्टया जांच में समुचित रूप से नाला ढंका न होने के लिए सफाई ठेकेदार अंकित कुमार की लापरवाही सामने आयी। क्षेत्रीय अभियंता की रिपोर्ट में यह लापरवाही सामने आने पर अंकित कुमार के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है तथा उनकी कंपनी 'अनिका इंटरप्राइजेज' को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाले जाने की कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही कनिष्ठ अभियंता (जेई) रमन कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है एवं उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि नगर निगम लापरवाही को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के लिए संसद में महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पहले ही संकेत दिया था कि संसद के अगले सत्र में महाभियोग का प्रस्ताव आ सकता है। अब खबर है कि सरकार सांसदों के दस्तखत जुटा रही है। केंद्र सरकार महाभियोग का प्रस्ताव पहले लोकसभा में लाएगी।

इसलिए लोकसभा सांसदों के दस्तखत जुटाए जा रहे हैं। जानकार सूत्रों के मुताबिक, कई सांसदों के दस्तखत लिए जा चुके हैं। यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस भी कुछ शर्तों के साथ सरकार का समर्थन करने को तैयार हो गई है। गौरतलब है कि लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम एक सौ सांसदों के दस्तखत की जरूरत होती है। राज्यसभा में यह संख्या ५० सांसदों की होती है। गौरतलब है कि जस्टिस वर्मा जिस समय दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे उस समय उनके आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में १४ मार्च की रात आग लग गई थी। वहां से पांच पांच सौ रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इसकी जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी बनाई थी। उस कमेटी की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है, जिसके आधार पर महाभियोग की कार्रवाई शुरू होगी। नोटों के बंडल मिलने के विवाद के बाद जस्टिस वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाई कोर्ट में कर दिया गया था।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय समेत 10 के खिलाफ केस दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय सहित दस अन्य लोगों पर वाराणसी में सड़क को बाधित करने और अव्यवस्था फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, कांग्रेस नेता ने अपने कार्यों का बचाव करते हुए जोर देकर कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र में अस्वीकार्य सड़क स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करना था। अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार हमारे खिलाफ कई मामले दर्ज कर रही है। यह सब इसलिए है क्योंकि आज हम सरकार को जगाने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि आज से सावन का महीना शुरू हो गया है, और पूरा शहर गड्ढों से भरा हुआ है। कल, मैं एक कांवरिया शिविर में गया था, लेकिन वहां भी बिजली की व्यवस्था नहीं थी। सिगरा स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर संजय कुमार ने कहा कि विरोध

मार्च से आम जनता को असुविधा हुई, जिसमें रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे परिवहन केंद्रों की ओर जाने वाले लोग भी शामिल थे, एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं का तो कहना ही क्या। उन्होंने आगे कहा कि स्टेशन और बस स्टैंड जाने वाले लोग रास्ते में फंसे रहे। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ पुलिस चौकी प्रभारी विकल शांडिल्य की तहरीर पर राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित १० नामजद और ४०–५० अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २८५ (सार्वजनिक मार्ग में बाधा डालना), ३२६(बी) (खतरनाक हथियार लेकर चलना), १२६(२) (किसी को गलत तरीके से रोकना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से डरी और घबराई हुई है।

धर्मांतरण से पीड़ित महिलाओं की घर वापसी होनी चाहिए : अपर्णा यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार को कहा कि धर्मांतरण से पीड़ित महिलाओं की "घर वापसी" होनी चाहिए। एक दिवसीय

दौरे पर गोंडा पहुंची अपर्णा यादव ने महिलाओं से जुड़े मामलों की जनसुनवाई के बाद पत्रकारों से कहा,"धर्मांतरण से पीड़ित महिलाओं की घर वापसी होनी चाहिए। जो महिलाएं जबरन धर्मांतरण से खुश नहीं हैं, उन्हें अपने मूल धर्म में लौटने का पूरा अधिकार है।" उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में हर व्यक्ति की इच्छा और आस्था का सम्मान होना चाहिए। अपर्णा यादव ने कहा कि जबरन धर्मांतरण कराने वालों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाना सही कदम है तथा इससे समाज में स्पष्ट संदेश जाएगा कि जबरन धर्मांतरण जैसी गतिविधियां कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। कावड़ यात्रा पर विपक्षी दलों की टिप्पणियों पर भी उन्होंने विरोध जताते हुए कहा कि कावड़ यात्रा सनातन परंपरा का हिस्सा है और इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि धर्म को राजनीति में नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है और इसे लेकर अनावश्यक राजनीति करने से कोई लाभ नहीं मिलने वाला। मुंबई में शुरू हुए विवाद पर अपर्णा यादव ने कहा कि हिंदी हमारे देश की आत्मा और गौरव है। उन्होंने कहा कि हिंदी ऐसी है जो पूरे देश को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा कि हिंदी का अपमान करने वालों की सोच बेहद घटिया और निम्न स्तर की है। अपर्णा यादव ने कहा कि को लेकर भेदभाव फैलाना देश की एकता के खिलाफ है।

नकली कफ सिरप की 5,000 से अधिक बोतलें बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

लखनऊ। केंद्रीय स्वापक ब्यूरो (सीबीएन) ने लखनऊ में एक मकान से नकली कफ सिरप की ५,३०० से अधिक बोतलें बरामद होने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस सिरप में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ का मिश्रण पाया गया है और प्रतिष्ठित दवा कंपनियों के असली उत्पादों जैसा दिखाने के लिए बोतलों पर नकली लेबल लगाया गया है। नारकोटिक्स उपायुक्त प्रवीण बाली ने कहा, "मुखबिर से सूचना मिलने के बाद बृहस्पतिवार को एक मकान पर छापा मारा गया और कफ सिरप की ५,३५३ बोतलें बरामद की गईं। इस सिरप में 'अल्प्राजोलम' और 'क्लोनाजेपाम' जैसी नशीली दवाएं मिलाई गई थीं और प्रतिष्ठित कंपनियों के नकली लेबल लगाए गए थे।" उन्होंने बताया, "आरोपी के पास इस तरह की दवाएं रखने या बेचने के लिए कोई वैधानिक दस्तावेज या लाइसेंस नहीं था। एनडीपीएस अधिनियम, १९८५ के तहत पूरी खेप जब्त कर ली गई और व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया।" अवैध दवा के इस व्यापार में संलिप्त नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

नोएडा में मुठभेड़ के बाद शातिर अपराधी गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में शुक्रवार रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सेक्टर ६२ के निकट हुई मुठभेड़ के दौरान अपराधी के पैर में गोली लगी। थाना सेक्टर ५८ के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बीती रात (शुक्रवार को) को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने सेक्टर ६२ के निकट मुठभेड़ के बाद अंकित तिवारी नाम के शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बदमाश के पास से लूटा हुआ मोबाइल फोन, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। उन्होंने बताया कि आरोपी से पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह राहगीरों से लूटपाट करता था। कुमार ने बताया कि अपराधी के खिलाफ १३ मुकदमे दर्ज हैं।

कन्नौज में प्रशिक्षु महिला सिपाही ने शौचालय में आत्महत्या की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में शुक्रवार को एक प्रशिक्षु महिला आरक्षी (सिपाही) ने बैरक में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और फांसी के फंदे से शव को नीचे उतरवाया। कानपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) हरिश्चन्द्र भी कन्नौज पहुंचे और घटना की जानकारी ली। अधिकारी ने बताया कि मृत सिपाही रानू जादौन (२३) एटा जिले की निवासी थी। उन्होंने बताया कि रानू की इसी वर्ष पुलिस में भर्ती हुई और वह पुलिस लाइन कन्नौज में प्रशिक्षण ले रही थी। कन्नौज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोद कुमार ने बताया कि अपराह्न करीब दो बजे पुलिस लाइन में प्रशिक्षु महिला आरक्षी रानू जादौन ने महिलाओं के लिए आरक्षित छात्रावास के शौचालय में कथित रूप से फांसी लगा ली। उन्होंने

बताया कि महिला सिपाही को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मौके से कई चीजें मिली हैं, जिनकी जांच पुलिस कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि प्रथम ष्टया व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। शुक्रवार देर रात सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतका के पिता श्यामवीर सिंह ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को एटा निवासी देवेश उर्फ घ्घ्देबू नाम का व्यक्ति परेशान कर रहा था। एसएचओ ने शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि यह व्यक्ति रानू को नौकरी छोड़ने के लिए कहता था, जिससे वह परेशान थी और इसी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने यह भी बताया कि मृतका का पोस्टम र्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं के कक्ष में विवाह केंद्र चलाने के मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को कैसरबाग स्थित पुराने उच्च न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के लिए आवंटित एक कक्ष में विवाह केंद्र चलाने से संबंधित एक जनहित याचिका पर 'उत्तर प्रदेश बार काउंसिल', 'सेंट्रल बार एसोसिएशन', राज्य सरकार और हाई कोर्ट प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने अगली सुनवाई की तारीख २२ जुलाई तय की है। न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की पीठ ने यह आदेश उस जनहित याचिका पर पारित किया, जो एक आपराधिक रिट याचिका की सुनवाई के दौरान विवाह केंद्र के बारे में पता चलने के बाद अदालत द्वारा स्वतरू संज्ञान लेते हुए दर्ज की गई थी। पुलिस की रिपोर्ट देखने के बाद अदालत ने पाया कि उक्त कक्ष को फूलों से सजाया गया था और विवाह की व्यवस्था की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, अदालत ने रजिस्ट्रार को मामले को स्वतः संज्ञान जनहित याचिका के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया था। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने पाया कि मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन, 'बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश', 'सेंट्रल बार एसोसिएशन' एवं राज्य सरकार का पक्ष जानना आवश्यक है, इसलिए इन सभी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

बुजुर्ग पति–पत्नी के शव बरामद

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में शुक्रवार को बुजुर्ग पति–पत्नी के शव उनके किराए के घर से बरामद किये गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नई मंडी थानाक्षेत्र के बिंदल मार्केट इलाके में अशोक गोयल (६५) और उनकी पत्नी पुष्पा (६३) अपने कमरे में मृत पाए गए। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में शुक्रवार को बुजुर्ग पति–पत्नी के शव उनके किराए के घर से बरामद किये गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नई मंडी थानाक्षेत्र के बिंदल मार्केट इलाके में अशोक गोयल (६५) और उनकी पत्नी पुष्पा (६३) अपने कमरे में मृत पाए गए।

४० अकाउंट में १०६ करोड़ रुपये! छांगुर बाबा के काले साम्राज्य की कहानी का खुलासा

लखनऊ। छांगुर बाबा की संपत्तियों पर उत्तर प्रदेश प्रशासन की कार्रवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी है। वह कथित तौर पर एक धर्मांतरण गिरोह का सरगना है और उसे उत्तर प्रदेश एटीएस ने गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्मांतरण रैकेट के कथित सरगना छांगुर बाबा उर्फ ''जलालुद्दीन की गिरफ्तारी को लेकर एक अहम बयान दिया है। योगी ने असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। आजमगढ़ में 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत एक मेगा अभियान को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि हमने बलरामपुर में एक जल्लाद को गिरफ्तार किया, जो हिंदू बहन–बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करता था। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि हम समाज को टूटने नहीं देंगे और राष्ट्र– विरोधी, असामाजिक तत्वों को भी नष्ट करेंगेय साथ ही धरती माता की रक्षा भी करेंगे। धर्मांतरण गिरोह का सरगना ''छांगुर बाबा कभी साइकिल पर अंगूठियाँ और ताबीज बेचा करता था। अब उसके पास ४० बैंक खातों में १०६ करोड़ रुपये की रकम है जो मुख्य रूप से मध्य पूर्व से प्राप्त हुई है और कम से कम दो करोड़ों की संपत्तियाँ हैं। छांगुर बाबा को उसकी करीबी सहयोगी नीतू उर्फ घ्घ्नसरीन के साथ शनिवार को लखनऊ के एक होटल से उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में हाल ही में पकड़े गए धर्मांतरण रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। तब से, जमालुद्दीन पर शिकंजा कसता जा रहा है।

अतिरिक्त महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने कहा कि आरोपी एक विशाल नेटवर्क चलाता था जो कथित तौर पर जाति–आध ारित धर्मांतरण दरों के साथ एक विशेष धार्मिक पृष्ठभूमि की लड़कियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने एक बयान में कहा था कि गरीब, असहाय मजदूरों, कमजोर वर्गों और विधवा महिलाओं को प्रलोभन, आर्थिक मदद, शादी का वादा या ध मकी देकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया, जो कि अभियुक्तों द्वारा स्थापित प्रक्रियाओं का उल्लंघन था। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) भी इस बात की जाँच कर रहा है कि क्या इस गिरोह का किसी आतंकवादी संगठन से कोई संबंध है। गिरोह के खिलाफ मामला दर्ज करने वाली उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) भी मामले की जाँच कर रही है। स्थानीय पुलिस बलरामपुर में गिरोह में कथित रूप से शामिल अन्य लोगों की भी जाँच कर रही है। छांगुर बाबा कभी साइकिल पर अंगूठियाँ और ताबीज बेचा करता था। बाद में वे ग्राम प्रधान बन गया। अब तक मिले दस्तावेजों के आधार पर, यह पुष्टि हुई है कि उनके ४० अलग–अलग खातों में १०६ करोड़ रुपये जमा हुए हैं। जाँच के अनुसार, यह सारा पैसा मध्य पूर्व के इस्लामी देशों से आया है। उत्तर प्रदेश के रेहरा माफी गाँव के रहने वाले छांगुर बाबा का पूरा साम्राज्य नेपाल की सीमा से लगे बलरामपुर जिले के उत्तरौला क्षेत्र में है। उन्हें एक बार अपने पैतृक गाँव का प्रधान भी नियुक्त किया गया था। अपनी अब की सहयोगी नीतू से मिलने के बाद, उसने रेहरा माफी गाँव से लगभग तीन किलोमीटर दूर, माधपुर में एक दरगाह के बगल वाली जमीन पर एक इमारत बनवाई। हालाँकि, एक सरकारी जाँच में यह इमारत अवैध पाई गई। बुधवार को अधि ाकारियों ने सरकारी जमीन पर हुए कथित अवैध निर्माण को बुलडोजर से गिरा दिया। इस इमारत के दो हिस्से थे एक हिस्से में छांगुर बाबा, उसका परिवार और सहयोगी रहते थे। जहाँ तक दूसरे हिस्से की बात है, तो कई योजनाएँ बनीं, लेकिन आज तक कोई अमल नहीं हुआ।

छांगुर बाबा को लेकर बड़ा खुलासा, धर्मांतरण के लिए नेपाल के रास्ते विदेशों से मिले ३०० करोड़ रुपये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने शुक्रवार को बताया कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को पिछले तीन वर्षों में लगभग ५०० करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग मिली है। इसमें से २०० करोड़ रुपये की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है, जबकि ३०० करोड़ रुपये अवैध हवाला के जरिए नेपाल के रास्ते भेजे गए। एजेंसी के अनुसार, नेपाल के सीमावर्ती जिलों जैसे काठमांडू, नवलपरासी, रूपनदेही और बांके में १०० से ज्यादा बैंक खाते खोले गए थे। यह पैसा कथित तौर पर भारत में धर्मांतरण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। नेपाल के एजेंटों ने ४–५: कमीशन लेकर, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के मधपुर निवासी छांगुर को यह धन हस्तांतरित करने में मदद की। कई मामलों में, नकद जमा मशीनों (सीडीएम) के माध्यम से धन जमा किया गया। यह धनराशि बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और लखीमपुर जैसे भारतीय जिलों में लाई गई, जहां स्थानीय मुद्रा विनिमयकर्ताओं ने नेपाली मुद्रा को भारतीय रुपये में परिवर्तित किया। ।क्ळ कानून–व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि छांगुर बाबा का गिरोह

लंबे समय से धर्मांतरण का काम कर रहा था। हनीट्रैप के जरिए दबाव बनाना, नाबालिगों को बहकाना और समाज में प्रभावशाली लोगों का इस्तेमाल करना – इन सबका इस्तेमाल धर्मांतरण के लिए किया जाता था। इसके लिए उन्हें बड़ी मात्रा में विदेशी धन भी मिलता था। इन्हें या तो कानूनी प्रावधानों के तहत जब्त किया जाएगा या ध वस्त कर दिया जाएगा। यह इलाका नेपाल सीमा से बहुत करीब है। नेपाल सीमा पर जनसांख्यिकी परिवर्तन के प्रयास लंबे समय से ज्ञात हैं। यह इसी बड़े प्रयास का एक हिस्सा हो सकता है। इससे पहले ।क्ळ कानून–व्यवस्था अमिताभ यश ने कहा था कि उत्तर प्रदेश ।ज ने छांगुर बाबा और उसकी मुख्य सहयोगी नीतू उर्फ घ्घ्नसरीन को ७ दिन की रिमांड पर लिया है। उनसे उनके गिरोह के नेटवर्क, पैसों के लेन–देन और उनकी अवैध संपत्तियों के बारे में पूछताछ की जाएगी। उन्होंने कहा कि छांगुर बाबा की अवैध संपत्तियों को जब्त करने और ध्वस्त करने की प्रक्रिया भी की जाएगी। पता चला है कि यह गिरोह पिछले १५ सालों से काम कर रहा है और धर्मांतरण करा रहा है। जिन लोगों के खिलाफ सबूत हैं, उन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में मोहम्मद अहमद का नाम है और **ATS** आगे की जांच कर रही है। ईडी ने **ATS** से इस मामले की **FIR** मांगी थी।

कांवड़िये ने की मोटरसाइकिल सवार से मारपीट, पुलिस ने समझा बूझकर मामला निपटाया

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर कांवड़ को मामूली टक्कर लगने से नाराज कावंड़ियों ने एक व्यक्ति की पिटाई की और उसकी मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त कर दी। पुलिस ने हस्तक्षेप करके व्यक्ति को बचाया। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजू कुमार साव ने संवाददाताओं को बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची तथा कांवड़ियों के गुस्साए समूह को समझाकर स्थिति को शांत किया। उन्होंने बताया कि यह विवाद तब हुआ जब कथित तौर पर एक कांवड़िये की कांवड़ मोटरसाइकिल से टकरा गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद कांवड़ियों का समूह मोटरसाइकिल सवार पर टूट पड़ा और उसे मारा–पीटा तथा उसकी मोटरसाइकिल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। साव ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर मोटरसाइकिल सवार को बचाया और कांवड़ियों को समझा बुझाकर शांत किया, जिसके बाद कांवड़ यात्रा दोबारा शुरू हुई।

बिना इजाजत मूर्ति स्थापित करने पर मुकदमा

बुलंदशहर। जिले में पुलिस ने अरनिया थाना क्षेत्र के मुनि की नगलिया गांव में सरकारी जमीन पर बिना अनुमति के गौतम बुद्ध की मूर्ति स्थापित करने के आरोप में आठ नामजद और ४५–५० अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुध ावार को मुनि की नगलिया गांव में महिलाओं और पुरुषों ने बिना अनुमति के सरकारी जमीन पर गौतम बुद्ध की मूर्ति स्थापित कर दी और फिर उसके चारों ओर ईंटों की दीवार बना दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ धक्का–मुक्की की और अभद्र का प्रयोग करके सरकारी काम में बाधा उत्पन्न की। अरनिया के थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में आठ नामजद और ४५–५० अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में शनिवार सुबह रोहटा ब्लॉक के पास ईंटों से लदे एक ट्रैक्टर से मोटरसाइकिल की आमने–सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायल व्यक्ति के समुचित उपचार की व्यवस्था करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। पुलिस के अनुसार यह हादसा उस वक्त हुआ जब तीन युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेरठ से बड़ौत की ओर जा रहे थे और रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल ईंटों से भरी एक

ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब सात बजे रोहटा ब्लॉक के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अचानक फिसल गई और ईंटों से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर–ट्रॉली भी पलट गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान शहजाद (१८), अरशद (१६) और रहीसुद्दीन उर्फ रोजू (१८) के रूप में हुई है जबकि घायल व्यक्ति की पहचान रजनीश के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टम र्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

मोटरसाइकिलों की आमने–सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत

बदायूं। जिले के वजीरगंज क्षेत्र में बदायूं–मुरादाबाद मार्ग पर बृहस्पतिवारशाम दो मोटर साइकिलों की आमने–सामने की जबरदस्त टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि वजीरगंज थाना क्षेत्र में बगरेन करखेड़ी मार्ग पर एक मोटरसाइकिल से तीन लोग तथा एक अन्य मोटरसाइकिल से दो लोग कहीं जा रहे थे तथा घनी झाड़ियां और मोड़ होने की वजह से दोनों गाड़ियों की आपस में जोरदार भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सैदपुर एवं बिसौली प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहांडाक्टरों ने सोमपाल मीणा (५२), अतर सिंह मीणा (४३), बच्चू सिंह (५७) और संजय मीणा (२६) को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल अशोक मीणा (३७) को बदायूं जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सिंह ने बताया कि सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए ले जाये गये हैं।

नाले में बहकर सुरेश नामक व्यक्ति की मौत पर CM योगी का सख्त रुख

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज इलाके में जलभराव के कारण नाले में बहकर सुरेश नामक व्यक्ति की मौत के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। इस दुखद हादसे पर मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख सचिव नगर विकास को जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं, साथ ही कहा है कि लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से ५ लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा

की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं अस्वीकार्य हैं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोषी अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के आदेश दिये हैं। दरअसल, शनिवार सुबह ठाकुरगंज इलाके में एक युवक नाले में बह गया था, युवक का नाम सुरेश बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तों शनिवार सुबह करीब ७ बजे सुरेश काम के लिए निकला था, राधा ग्राम चौराहे के पास नाले का स्लैब टूटा था, जलभराव के कारण सुरेश टूटे स्लैब को देख नहीं पाया और गहरे नाले में समा गया। वहीं नाले में सुरेश के बह जाने से पूरे इलाके हड़कंप मच गया था।

रियल एस्टेट कंपनी के एमडी से हड़पे २५ लाख

लखनऊ। रियल एस्टेट कंपनी विरासत इंफ्राकर्प से प्लॉट का सौदा कर आरोपी ने प्रबंध निदेशक से २५ लाख रुपये ऐंठ लिए। गोमतीनगर विस्तार के ककराहा पुरवा निवासी शरद कुमार सिंह विश्वासखंड स्थित रियल एस्टेट कंपनी विरासत इंफ्राकर्प प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले कंपनी गोमतीनगर विस्तार सेक्टर–६ बाघामऊ में विरासत उदय ग्रांड के नाम से बिल्डिंग का निर्माण करने के लिए प्रयासरत थी। निर्माण संबंधी विभागों से अप्रैल २०२२ में अनुमति ली थी। ग्लोबल इंवेस्टर समिट में १०० करोड़ निवेश करने के लिए सरकार व कंपनी मध्य एमओयू हुआ था। निर्माण के लिए राम सागर यादव से ७००० वर्गफीट जमीन खरीदने की बात हुई। सौदा तय होने पर शरद ने नवंबर २०२२ में चेक से २५ लाख रुपये एडवांस दिए थे। रजिस्ट्री के लिए संपर्क करने पर राम सागर ने आनाकानी शुरु कर दी। दबाव बनाने पर धमकाया। शरद ने डीसीपी पूर्वी से शिकायत की। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने राम सागर यादव के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, गाली–गलौज व धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार अवस्थी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'कालीधर लापता' को मिले पॉजिटिव रिस्पांस से इमोशनल हुए अभिषेक

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी फिल्म कालीधर लापता को दर्शकों से मिल रही प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। अभिषेक बच्चन की फिल्म

कालीधर लापता जी ५ पर ०४ जुलाई को रिलीज हुयी है। इस फिल्म में अभिषेक के अभिनय को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं। इसे आईएमडीबी पर ८.३/१० की रेटिंग मिली है। इस फिल्म की भावुक कहानी अभिषेक बच्चन पर केंद्रित है। कई लोगों का कहना है कि इस फिल्म में उन्होंने अपने जीवन की सबसे अच्छी परफ मैंस दी है। अभिषेक बच्चन ने दर्शकों से मिल रही बेहतरीन प्रतिक्रिया के बारे में कहा, ''लोग इस फिल्म के साथ कितनी गहराई से जुड़े हैं, यह देखकर बहुत अच्छा लगा। मेरा झुकाव हमेशा से ऐसी कहानियों की ओर है, जो जमीन से जुड़ी एवं ईमानदार होती हैं। मैं उन किरदारों की ओर आकर्षित होता हूँ, जो वास्तविक लोगों से जुड़े होते हैं, न कि आदर्श नायकों से। कालीधर को मिल रहे प्यार ने दिल को छू लिया है। मुझे कई लोगों ने कहा कि यह फिल्म देखकर वो बहुत भावुक हो गए। उन्हें जीवन को पूरी तरह से जीने और जीवन की उन छोटी–छोटी खुशियों को महसूस करने की प्रेरणा मिली, जो अक्सर नजरंदाज हो जाती हैं। मेरा मानना है कि यही मेरी असली जीत है कि लोगों ने रुककर विचार किया, महसूस किया, खासकर हमारे व्यस्त जीवन के बीच में।'

बॉर्डर 2 की शूटिंग पूरी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सनी देओल ने अपनी आने वाली फिल्म 'बॉर्डर २' की शूटिंग पूरी कर ली है। जेपी दत्ता निर्देशित वर्ष १९९७ में प्रदर्शित फिल्म बार्डर में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्र फ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। अब फिल्म ब र्डर का सीक्वल बनाया जा रहा है। फिल्म बार्डर २ में सनी देओल, वरुण धवन ,दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की अहम भूमिका होगी। सनी देओल ने बार्डर २ की शूटिंग पूरी कर ली है। सनी देओल ने सोशल मीडिया पर फिल्म बार्डर

२ का दमदार फर्स्ट लुक शेयर किया है। सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म बार्डर से अपना लुक शेयर किया। वहीं इस फिल्म को जेपी दत्ता, निधि दत्ता, भूषण कुमार और किशन कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं।यह फिल्म २३ जनवरी २०२६ को रिलीज होगी।

दूल्हे राजा' ने पूरे किये २७ साल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी हिट फिल्म 'दूल्हे राजा' की रिलीज के २७ वर्ष पूरे होने के मौके पर फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा करके पुरानी यादें ताजा की। हरमेश मल्होत्रा घ्द्वारा निर्देशित 'दूल्हे राजा' १० जुलाई १९९८ को रिलीज हुई थी। फिल्म में गोविंदा, कादर खान, ज नी लीवर और मोहनीश बहल भी अहम भूमिका में थे। रवीना टंडन ने

सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर बृहस्पतिवार को अभिनेता गोविंदा के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, ' दूल्हे राजा' के २७ साल पूरे!!!! मस्ती, मस्ती और केवल मस्ती। हरमेश जी, कादर भाई और इस फिल्म का हिस्सा रहे सभी लोगों की याद आती है।

अस्पताल में इलाज के दौरान कैदी फरार, तीन सिपाही निलंबित

गाजीपुर। जिले की एक जेल का कैदी शिवम चौहान उर्फ परमहंस शुक्रवार की रात अस्पताल में इलाज के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन सिपाहियों को निलंबित किया गया है। जिले के पुलिस अधीक्षक इराज राजा ने शनिवार को बताया कि जंगीपुर थाना क्षेत्र में लूट की घटना में गिरफ्तार शिवम चौहान को इलाज के लिए जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया गया था। बीती रात, वह शौचालय की खिड़की से भाग गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में सिपाही प्रभु नंदन पासवान, शिव गोविंद और सोनू सरोज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। फरार अभियुक्त की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं।

राहुल गांधी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

लखनऊ। कांग्रेस सांसद एवंलोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे मेंआपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के अनपरा बाजार में रहने वाले आरोपी अजय कुमार चौरसिया (२७) को शुक्रवार शाम गिरफ्तार किया गया। रेणुसागर पुलिस चौकी के प्रभारी राजेश कुमार सिंह के अनुसार, चौरसिया ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर अभद्र टिप्पणी के साथ राहुल गांधी की आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की थी। सिंह ने बताया कि कांग्रेस नेता मृदुल मिश्रा की शिकायत के आधार पर इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस इस संबंध में अग्रिम कानूनी कार्वाई कर रही है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lt; ckt ibZ

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;jks phQ

eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक